OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR

Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

Two days National Seminar on topic Hindi Sahitya Mein Lok Tantrik Mulyon Ki Bhumika (18 - 19 March. -2021)

प्रतिवेदन

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी 18, 19 मार्च 2021

शीर्षक हिंदी साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रतिष्ठा।

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर मध्य प्रदेश में दिनांक 18, 19 मार्च 2021 को दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शोध संगोष्ठी का विषय शीर्षक **"हिंदी साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रतिष्ठा"** रहा है इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन निम्नानुसार किया गया।

प्रथम दिवस 18 मार्च

18 मार्च 2021 को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के प्रथम दिवस में सुबह 10:00 उद्घाटन सत्र के दौरान मंचासीन विद्वानों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ परमानंद तिवारी जी के संरक्षण में मुख्य अतिथि उदय प्रकाश जी का फूल गुच्छ से स्वागत किया गया। अतिथि में डॉ दिनेश कुशवाहा विभागाध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश, डॉ आर एस वाटे प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय जैतहरी, गिरीश पटेल जी प्रगतिशील लेखक संघ अनूपपुर, आर आर सिंह नेहरू युवा केंद्र अनूपपुर, पवन छिब्बर साहित्यकार एवं कलाकार के साथ महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ जे के संत, डॉ देवेंद्र सिंह बागरी, अजय राज सिंह राठौर, विनोद कोल, ज्ञान प्रकाश पांडे, शाहबाज खान, डॉ गीतेश्वरी पांडे, डॉ आकांक्षा राठौर, प्रीति वैश्य, पूनम धांडे, कृष्ण चंद सोनी आदि का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्र-छात्राओं के द्वारा अतिथियों के साथ सरस्वती पूजा किया गया एवं छात्राओं ने सरस्वती वंदन भी किया। प्राचार्य डॉ परमानंद तिवारी के द्वारा अपने उद्घाटन उद्बोधन में शोध संगोष्ठी के विषय शीर्षक **"हिंदी साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्य की प्रतिष्ठा"** के अंतर्गत लोकतांत्रिक मूल्यों का महत्व बताते हुए शोध संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम विश्व प्रसिद्ध कवि उदय प्रकाश जी ने अपने उद्बोधन में हिंदी साहित्य में जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ति के संबंध में कहा कि हिंदी साहित्य का पटल अन्यत्र व्यापक है। इस पर उन्होंने हिंदी साहित्य के प्रारंभ से लेकर आज तक के विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि साहित्य का व्यापक उद्देश्य सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय माना गया है। आगे उन्होंने कहा कि साहित्य का मूल उद्देश्य लोक कल्याण का विधान करना है जीवन मूल्यों का तात्पर्य उन मान्यताओं से है। जिन्हें हम अपने जीवन में आदर्श मानकर अपनाते हैं वह जीवन पद्धति जो किसी व्यक्ति को आदर्श मानव बनती है। नैतिकता, सदाचार, परोपकार, वृद्ध सेवा, नारी सम्मान, उदारता स्वाभिमान, राष्ट्र प्रेम, अहिंसा, आध्यात्मिकता, विश्व बंधुत्व आदि हमारे जीवन मूल्य है। ये कभी नहीं बदलते ना कभी बदलेंगे। गांधी जी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन मूल्यों को अपनाकर ही अपने जीवन को महान बनाया जा सकता है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Dist. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

अगले वक्ता के रूप में जैतहरी महाविद्यालय से आए हुए वहां के प्राचार्य डॉ आर एस वाटे ने कहा कि आरंभ से मानव सीधा पूर्वक जीवन यापन करने के लिए कुछ नियमों का निर्धारण करता है जो सार्वभौमिक एवं सार्वकाली के होते हैं मानव के जीवन में भी कुछ मूल्य निर्धारण होते हैं जिनका उसे पालन करना होता है साहित्य में भी इन्हीं मूल्यों की चर्चा हुई है चाहे वह कथा हो या काव्य।

भोजन अवकाश के पश्चात अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ दिनेश कुशवाहा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन मूल्य किसी भी समाज की भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए परिहार उपदेन होते हैं भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति मूल्य के प्रति प्राचीन काल से ही सजक एवं संवेदनशील रही है।

द्वितीय दिवस 19 मार्च

शोध संगोष्ठी के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में नेहरू युवा केंद्र अनूपपुर से आए हुए वक्ता श्री आर आर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की रामचरितमानस लोकमंगल की साधना अवस्था का काव्य है यह शाश्वत जीवन मूल्यों का आकाशदीप है तथा मानस में इनका क्षेत्र सीमित नहीं है अपितु उनमें वैश्विक दृष्टि है तथा इनके माध्यम से मानव मात्र की कल्याण की कामना है जो आधुनिक काव्य में भी जीवन दृष्टि एवं व्यवहार धर्म तथा विश्व धर्म का संदेश देती है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎9893076404

अगले वक्ता के रूप में गिरीश पटेल जी प्रगतिशील लेखक संघ से जुड़े हुए विद्वान हैं उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा की जीवन मूल्य किसी भी समाज की भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए अपरिहार्य उपादान होते हैं हमारे मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है जीवन मूल्य हमारे देश समाज और व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं।

इसी क्रम में श्री पवन छिब्बर डॉ जे के संत वरिष्ठ प्राध्यापक शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर डॉ विनय सोनवानी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय कोतमा आदि विद्वानों ने भी साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्यों की व्याख्या करते हुए सिद्ध किया कि बिना जीवन मूल्यों के साहित्य की कल्पना नहीं की जा सकती जीवन मूल्य ही मनुष्य को मनुष्य बनाती है।

सत्र के अंत में छात्र-छात्राओं ने भी साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्यों के विषय में अपने-अपने विचार व्यक्त किए सत्र के समापन उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ परमानंद तिवारी ने सभी को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)